

प्रेस विज्ञप्ति: बजाज हिन्दुस्थान शुगर और एवरएनवायरो ने कंप्रेस्ड बायोगैस का उत्पादन करने के लिए हाथ मिलाया

लखनऊ, 20 फरवरी। बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड (बजाज शुगर) और एवरएनवायरो प्राइवेट लिमिटेड ने उत्तर प्रदेश में सीबीजी (कंप्रेस्ड बायोगैस) संयंत्र स्थापित करने के लिए हाथ मिलाया है।

बजाज हिन्दुस्थान शुगर वर्तमान में अपनी 14 चीनी मिलों से लगभग 500,000 मीट्रिक टन वार्षिक प्रेस-मड का उत्पादन करता है, जो की संभावित रूप से प्रति दिन 70 मीट्रिक की कुल क्षमता के साथ सीबीजी संयंत्र स्थापित करने में मदद कर सकता है। बजाज शुगर एशिया में सबसे बड़ा चीनी उत्पादक है और साथ ही वैश्विक स्तर पर इसकी पेराई क्षमता सबसे बड़ी मिलों में से एक है।

बजाज समूह के अध्यक्ष, श्री कुशाग्र बजाज के कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, “बजाज समूह 90 वर्षों से अधिक समय से व्यवसाय में है और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में हमेशा अग्रणी रहा है। भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य के अनुरूप सीबीजी संयंत्रों की स्थापना और कंप्रेस्ड बायोगैस उत्पादन को प्रोत्साहित कर रही है। सीबीजी विभिन्न अपशिष्ट धाराओं से प्राप्त होने वाला एक अधिक पर्यावरण-अनुकूल ईंधन है और हमें हर्ष है की हैं की बजाज चीनी मिलों से निकलने वाली अपशिष्ट धारा प्रेस-मड का उपयोग कर हम इथेनॉल के अलावा एक और हरित ऊर्जा का उत्पादन करने जा रहा है।”

व्यवसाय में है और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में हमेशा अग्रणी रहा है। भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य के अनुरूप सीबीजी संयंत्रों की स्थापना और कंप्रेस्ड बायोगैस उत्पादन को प्रोत्साहित कर रही है। सीबीजी विभिन्न अपशिष्ट धाराओं से प्राप्त होने वाला एक अधिक पर्यावरण-अनुकूल ईंधन है। और हम उत्साहित हैं की चीनी मिलों से निकलने वाली प्रेस-मड एक ऐसी मुख्य अपशिष्ट धारा है जिसका उपयोग बजाज हरित ऊर्जा के उत्पादन के लिए करने जा रहा है।”

एवरएनवायरो आज की तारीख में भारत का सबसे बड़ा सीबीजी प्लेयर है, जो म्युनिसिपल ऑर्गेनिक वेस्ट, धान के खेतों से कृषि अपशिष्ट और गन्ने की पेराई से निकले अवशेष अपशिष्ट पर आधारित परियोजनाओं पर एम.पी., यू.पी., दिल्ली और पंजाब में पहले से ही काम कर रहा है।

एवरएनवायरो रिसोर्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री महेश गिरधर ने बताया “बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड के साथ हमारी साझेदारी टिकाऊ ऊर्जा समाधान की दिशा में हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पथर है। इस गठबंधन के माध्यम से, एवरएनवायरो पूरे उत्तर प्रदेश में सीबीजी परियोजनाओं को विकसित करने, संचालित करने और बढ़ाने के लिए अपनी विशेषज्ञता का लाभ उठाएगा। बजाज शुगर की चीनी मिलों से प्रेस-मड की निरंतर आपूर्ति से हमारे संयंत्रों की सीबीजी उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इसके अलावा, सीबीजी के उपोत्पाद के रूप में उत्पादित अंकुरित जैविक खाद पुनर्योजी कृषि को बढ़ावा देगी, जिससे क्षेत्र में मिट्टी के स्वास्थ्य और उर्वरता में वृद्धि होगी। यह पहल हमारे देश के जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करने और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पूरी तरह मेल खाती है।”

एवरएनवायरो के साथ द्विपक्षीय व्यवस्था के तहत, बजाज शुगर के पास या तो पूर्व निर्धारित दीर्घकालिक कीमतों पर प्रेस-मड बेचने या एवरएनवायरो के साथ सीबीजी संयंत्र परियोजना में इक्विटी लेने का विकल्प होगा। यह समझौता राजस्व मॉडल के हिस्से के रूप में बजाज के पोर्टफोलियो में (एथनाल के अलावा) एक और हरित ईंधन जोड़ता है।

बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड के बारे में:

बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड (बजाज शुगर (www.bajajhindusthan.com) के पास देश में चीनी और इथेनॉल की सबसे बड़ी स्थापित उत्पादन क्षमता है। हमारी 14 चीनी मिलें और 6 डिस्टिलरीज उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित हैं और लगभग 10,000 लोगों को रोजगार देती हैं। लगभग 500,000 किसान हमें गन्ने की आपूर्ति करते हैं। कंपनी की कुल गन्ना पेराई क्षमता 1.36 लाख टन प्रति दिन और आसवन क्षमता 800 किलोलीटर प्रति दिन है। बजाज शुगर इथेनॉल का एक अग्रणी निर्माता भी है, हरित ईंधन जो भारत के तेजी से विकसित हो रहे ऊर्जा बाजार में क्रांति लाने वाला है।

बजाज समूह के बारे में:

बजाज ग्रुप (www.bajajgroup.org) चीनी, इथेनॉल, पावर और एफएमसीजी व्यवसायों में प्रमुख रुचि रखने वाला 2.5 बिलियन डॉलर का विविध समूह है। कंपनी के प्रमोटर और अध्यक्ष कुशाग्र बजाज के नेतृत्व में, समूह का संपत्ति आधार \$ 5 बिलियन से अधिक है और इसमें 12,000 से अधिक लोग कार्यरत हैं।

एवरएनवायरो रिसोर्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के बारे में:

एवरएनवायरो रिसोर्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड भारत में अग्रणी कंप्रेस्ड बायोगैस/आरएनजी उत्पादक है। एवरसोर्स कैपिटल द्वारा 2019 में स्थापित, एवरएनवायरो शहरी नगरपालिका अपशिष्ट, कृषि अपशिष्ट और खतरनाक अपशिष्ट सहित विभिन्न अपशिष्ट धाराओं के प्रबंधन के लिए व्यापक समाधान प्रदान करता है। कंपनी अपशिष्ट प्रबंधन प्रक्रियाओं को अनुकूलित करने और एक स्थायी भविष्य में योगदान करने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को नियोजित करने के लिए प्रतिबद्ध है। एवरसोर्स कैपिटल एवरस्टोन ग्रुप (www.everstonegroup.com) के बीच एक समान संयुक्त उद्यम है, जो एशिया के प्रमुख निवेश प्रबंधकों में से एक है, जिसके पास निजी इक्विटी, स्थिरता और जलवायु प्रभाव, लॉजिस्टिक्स, डिजिटल और उद्यम पूंजी में 7 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की संपत्ति है, और लाइटसोर्स बीपी, सौर ऊर्जा परियोजनाओं के विकास और प्रबंधन में एक वैश्विक नेता। एवरसोर्स ग्रीन ग्रोथ इक्विटी फंड ('जीजीईएफ') का प्रबंधन करता है जो भारत का सबसे बड़ा जलवायु प्रभाव फंड है जिसमें भारत के राष्ट्रीय निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एनआईआईएफ) और यूके सरकार के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) के प्रमुख निवेश शामिल हैं।